

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 563] No. 563] नई दिल्ली, सोमवार, जून 6, 2005/ज्येष्ठ 16, 1927

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 6, 2005/JYAISTHA 16, 1927

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 2005

का. आ. 771(अ).—केन्द्र सरकार, नेशनल बोर्ड ऑफ ट्रेड लि., इंदौर द्वारा मान्यता के लिए अग्रिम संविद्य (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अंतर्गत दिए गए आवेदन पत्र पर, वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्दूारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के अंतर्गत प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, उक्त एक्सचेंज को 1 मार्च, 2006 से 28 फरवरी, 2009 (दोनों दिन सम्मिलित) तक की तीन वर्ष तक की अविध के लिए सोयाबीन, सोया तेल और सोयामील में अग्रिम संविदाओं के संबंध में मान्यता प्रदान करती है।

इसके द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त एक्सचेंज वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का अनुपालन करेगी।

[फा. सं. 12(2)/2003/आईटी-पार्ट]

डी. के. मुखोपाध्याय, आर्थिक सलाहकार

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 2005

- S. O. 771(E).—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for grant of recognition, made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the National Board of Trade Ltd., Indore and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Company for a period of three years from 1st March, 2006 to 28th February, 2009 (both days inclusive) in respect of forward contracts in Soyabean, Soyoil and Soymeal.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)/2003/IT-Part.]

D. K. MUKHOPADHYAY, Economic Adviser

1721 GI/2005